समीक्षा

2019 – 2020

महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कम्पनी लिमिटेड

ग्राम नैनी, पोस्ट आफिस कालिका, रानीखेत, ज़िला–अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड

फ़ोन नं0 9410796757/ 9456595121

E: info@umang-himalaya.com www.umang-himalaya.com

परिचय

महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड महिलाओं का एक सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठन है, जिसका पंजीकरण कंपनी अधिनियम 1956 के तहत दिनांक 09 जनवरी 2009 को किया गया।

उमंग का प्रमुख कार्यालय, 'हाउस ऑफ उमंग' ग्राम नैनी में, ज़िला अल्मोड़ा, रानीखेत के पास स्थित है। उमंग एक कंपनी ही नहीं बल्कि एक सपना है, एक विचार और जीने का एक अन्दाज़ है। **उमंग का लक्ष्य पर्वतीय महिला उत्पादकों को आजीविका के अवसर प्रदान कर उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाना है।**

इस संगठन की यात्रा पान हिमालयन ग्रासरुट्स डिवेलपमेंट फाउण्डेशन के मार्गदर्शन में स्वयं सहायता समूहों का गठन कर विभिन्न सामुदायिक तथा प्राकृतिक संरक्षण/संवर्धन एवं आजीविका विकास कार्यक्रमों द्वारा पर्वतीय महिलाओं का सशक्तीकरण कर इस क्षेत्र में अनुकूल आर्थिक एवं सामुदायिक पृष्ठभूमि तैयार करना है।

उत्पादक कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आजीविका कार्यक्रमों को सामाजिक एवं आर्थिक रुप से कमजोर उत्पादक सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाना है। सभी उत्पादक सदस्यों का कम्पनी पर समान हक सुनिश्चित किया गया है। कंपनी की सभी व्यावसायिक गतिविधियां सीधे उत्पादक सदस्यों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं तथा उत्पादक सदस्य ही कम्पनी की सम्पूर्ण चल–अचल सम्पत्ति के मालिक हैं। उत्पादक कम्पनी का ढांचा उत्पादन के साथ–साथ मुनाफे का अधिक से अधिक प्रतिशत सीधे उत्पादक सदस्य के पास पहुंचाने में सहायक हुआ है।

अपने निर्धारित लक्ष्य के आधार पर उमंग अपने उत्पादक सदस्यों को पंद्रह हज़ार प्रति वर्ष की आय सुनिश्चित करा पाने के लिए कार्यरत है। अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उमंग उत्पादक संगठन पारदर्शिता, गुणवत्ता, स्वावलम्बन, मांग के अनुसार परिवर्तन एवं उचित व्यापार के मूल सिद्धान्तों पर सदा कार्यरत रहेगी।

मुख्य अंश

अपने लक्ष्य एवं मूल सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए उमंग उत्पादक संगठन ने फ़ेयर ट्रेड/उचित व्यापार प्रमाणीकरण प्राप्त किया। जो सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक संस्था लैंगिक समानता, उचित मूल्य भुगतान, पर्यावरणीय सुरक्षा, बेहतर कार्य स्थिति एवं बाल मज़दूरी विरोधी मूल्यों के साथ–साथ आर्थिक रुप से पिछड़े कामगारों को कार्य के अवसर प्रदान करती है। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय, गैर सरकारी संस्था फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) ने उमंग महिला उत्पादक संगठन को उचित व्यापारिक मूल्यों पर खरा पाया और फेयर ट्रेड प्रमाण पत्र जारी किया।

कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सी0 आई0 आई0) भारत की एक ग़ैर सरकारी, ग़ैर लाभ, उद्योग नेतृत्व तथा उद्योग प्रबंधित संगठन है। यह भारत की औद्योगिक विकास प्रक्रिया में एक सक्रिय भूमिका निभा रही है। वर्ष 2019–20 के दौरान ग्राहकों के बीच अपनी पहचान को और अधिक सदृढ़ करने व उमंग के उत्पादों की गुणवत्ता व मांग बढ़ाने के उद्देश्य से **सी0 आई0 आई0** के साथ उमंग के काश्तकारों की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार के नये उत्पादों को बना कर उनका बाजारीकरण करने पर काश्तकारों के सुझााव व विचार जानने का प्रयास किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2020 से 2030 के दौरान उमंग की कार्य नीति व लक्ष्य तय किये गये।

विगत वर्षों की भांति ही इस वर्ष भी उमंग द्वारा विभिन्न प्रदर्शनियों (हस्तकला एवं जैविक खाद्य मेला) में भाग लेकर अपने उत्पादों की बिक्री व पहचान को बढ़ावा देने के प्रयास भी जारी रहे।

समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग के द्वारा ''माउंटेन हाई'' के माध्यम से अपने उत्पादों की बल्क बिक्री के लिए कोशिश की गयी, जिससे काश्तकारों को अधिक लाभ मिल सके।

विगत वर्षों की भांति इस बार भी उमंग ने फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) की वार्षिक आम सभा, दिल्ली में प्रतिभाग किया। इस सभा में सभी सदस्य प्रोड्यूसर्स कम्पनियों की ई–कॉमर्स तथा महिला ई–हाट के द्वारा उनके उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के प्रयास करने की बात की गयी।

वूमेन ऑन विंग्स संस्था, महिलाओं की आजीविका बढ़ाने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन कर उनके सशक्तीकरण के लिए काम करती है। उमंग ने इस संस्था के साथ दिसंबर 2016 से तीन वर्षों के लिए सहमति पत्र हस्ताक्षरित किया है, जिसके अंतर्गत समीक्षा वर्ष के अंत तक क्षमता वृद्धि व बुनाई उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु 6 कार्यशालाएं हो चुकी हैं।

संक्षिप्त रूप से समीक्षा वर्ष के दौरान आजीविका कार्यक्रमों को उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर, ज़िले के **8** विकासखण्डों के लगभग **83** गाँवों व हिमाचल प्रदेश के सिरमौर ज़िले के **20** गाँवों में संचालित किया गया। समीक्षा वर्ष के अन्त तक संचित रूप से **109** अंशधारक स्वयं सहायता समूहों के **905** सदस्य कार्यरत हैं।

महिला स्वयं सहायता समूह – उमंग उत्पादक संगठन

समीक्षा वर्ष के दौरान सभी स्वयं सहायता समूहों का मूल्यांकन कर उन्हें पुनः व्यवस्थित करने की प्रक्रिया की गयी। जिसके परिणाम स्वरुप संचित रुप से अब तक कुल **161** समूह क्रियाशील हैं इनमें कुल **2,354** (दो हज़ार तीन सौ चौवन) महिला सदस्य हैं। समीक्षा वर्ष के अन्त में इन समूहों के कोष में ₹ **1,27,80,557** (एक करोड़ सत्ताइस लाख अस्सी हजार पांच सौ सत्तावन) जमा है।

संचित रूप से देखने पर इन महिलाओं द्वारा समीक्षा वर्ष के दौरान ₹ 29,35,340 (उन्तीस लाख पैंतीस हज़ार तीन सौ चालीस) **अपने स्वयं सहायता बचत कोष में जमा किया गया जो प्रतिदिन ₹ 8,042** (आठ हज़ार बयालीस) **की बचत है।** जिस पर समूहों को ₹ **2,73,810** (दो लाख तेहत्तर हज़ार आठ सौ दस) ब्याज के रूप में बैंक से प्राप्त हुआ है। इस वर्ष **371** महिला सदस्यों ने इस जमा राशि से कुल ₹ **86,05,569** (छियासी लाख पांच हज़ार पांच सौ उन्हत्तर) ऋण लिया है, इस ऋण पर समूहों ने कुल ₹ **4,94,199** (चार लाख चौरानबे हज़ार एक सौ निन्यानबे) ब्याज के रूप में अर्जित किये हैं। समूह की महिलाओं ने इस ऋण का उपयोग अपने आवश्यक कार्यों की पूर्ति के लिए किया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया है। इन महिलाओं की नियमित रुप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है।

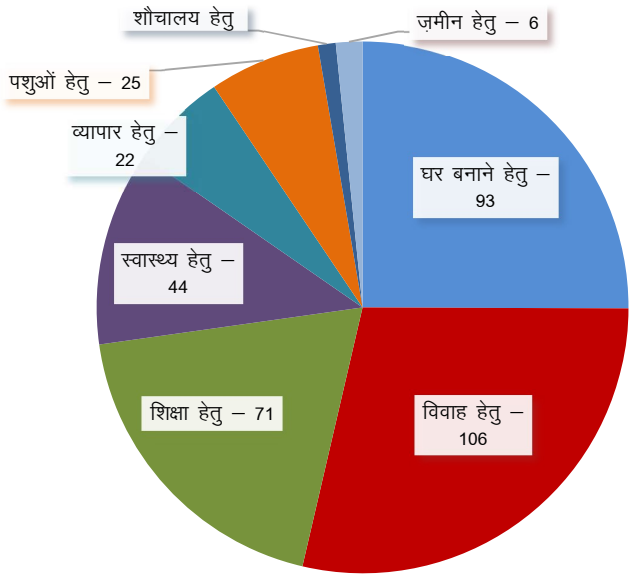

बचत एवं ऋण के साथ–साथ उत्तराखण्ड के 90 (56 %) स्वयं सहायता समूहों के 688 (29 %) सदस्य उमंग के आयवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे हैं।

समूह की महिलाओं के द्वारा उपरोक्त सभी आजीविका कार्यक्रमों के अतिरिक्त कई पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यक्रमों में भी अपना योगदान दिया गया जिसके अंतर्गत मुख्य रुप से स्थानीय पेड़ों के रखरखाव व थावले बनाने का काम जारी रखा गया। इसके अलावा खाल चाल की मरम्मत, जंगल को आग से बचाने के प्रयास भी जारी रहे।

उमंग आजीविका कार्यक्रम : एक झलक

उमंग में प्रमुखतः चार व्यावसायिक इकाईयां / आजीविका कार्यक्रम हैं –

क्र. स.	कार्यक्रम का नाम	कुल लाभान्वित सदस्य	कुल उत्पादन		सदस्यों की उत्पादन से आय ₹	सदस्यों को कुल बोनस ₹	सदस्यों की कुल आय ₹	प्रति सदस्य औसत आय ₹
			मात्रा	मूल्य ₹				
1	बुनाई	445	7,233 पीस	41,08,850	15,50,310	1,37,000	16,87,310	3,792
2	फल संरक्षण	131	11,457 कि0	24,28,269	4,29,211	70,000	4,99,211	3,811
3	हिमखाद्य	450	29,669 कि0	45,52,132	25,86,439	93,000	26,79,439	5,954
4	शहद	4	5,006 कि0	10,49,430	7,34,540	–	7,34,540	1,83,635
	कुल			**1,21,38,681**	**53,00,500**	3,00,000	**56,00,500**	

उमंग के द्वारा वर्ष 2019–20 के दौरान कुल 862 सदस्यों ने उपरोक्त आजीविका कार्यक्रमों में व 19 प्रतिशत प्रतिभागी 168 सदस्यों ने एक से अधिक कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया है।

उमंग विक्रय विवरण

क्रम संख्या	कार्यक्रम	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	बिक्री में प्रति ईकाई योगदान %
1	बुनाई	68,54,732	59,21,773	41
2	फल संरक्षण	36,00,191	30,27,580	21
3	हिमखाद्य	41,77,734	40,21,873	27
4	शहद	17,65,243	15,53,869	11
	कुल	**1,63,97,900**	**1,45,25,095**	**100**

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित 9 स्रोतों के माध्यम से अपने उत्पादों की कुल बिक्री ₹ 1,45,25,095 (एक करोड़ पैंतालीस लाख पच्चीस हज़ार पचानबे) की। वित्तीय वर्ष में ₹ 5,31,133 (पांच लाख इकत्तीस हज़ार एक सौ तैंतीस) बिक्री कर के रूप में जमा किया।

क्रम सं.	विक्रय स्रोत	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	नैट बिक्री %
1	हाउस ऑफ उमंग, नैनी	32,51,036	31,10,437	21
2	हाउस ऑफ उमंग, दिल्ली	5,73,976	5,63,078	4
3	हाउस ऑफ उमंग, हिमाचल	8,86,885	8,86,880	6
4	फैब इंडिया	8,58,008	8,58,008	6
5	प्रदर्शनियां	11,56,410	11,26,436	8
6	जयपोर ऑनलाइन वेब पोर्टल	16,27,670	11,39,369	8
7	ई–कामर्स द्वारा ऑनलाइन सेल	2,34,210	2,19,681	1.5
8	स्वयं सहायता समूह	74,098	73,042	0.5
9	अन्य रिटेल के माध्यम	77,35,607	65,48,164	45
	कुल	**1,63,97,900**	**1,45,25,095**	**100**

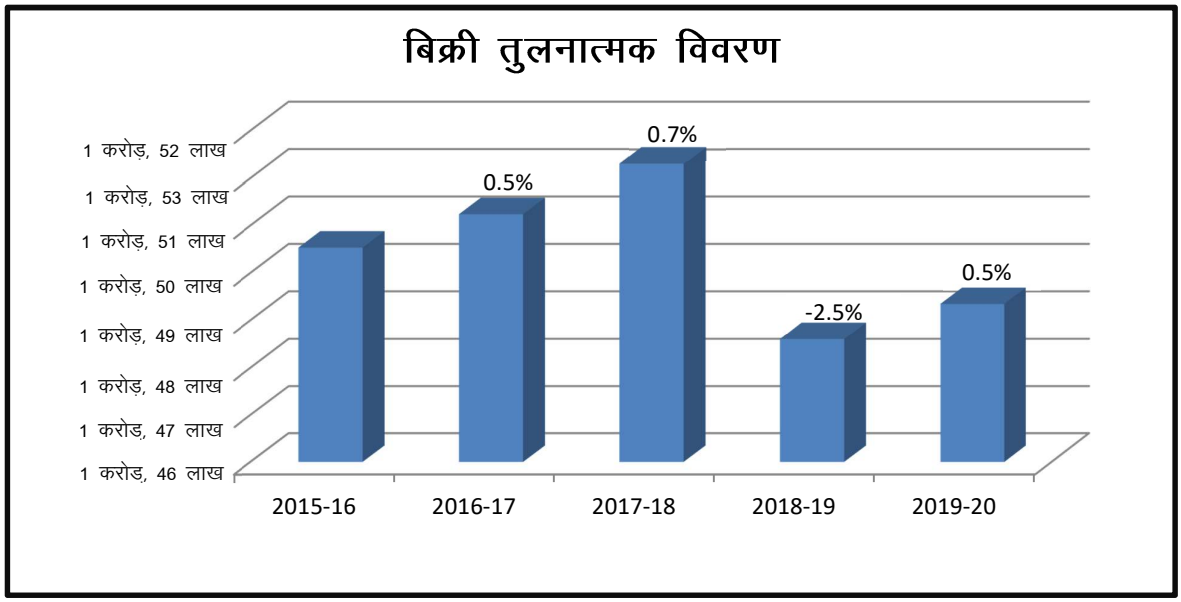

1. बुनाई कार्यक्रम :

बुनाई कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त **62** महिला स्वयं सहायता समूहों की **445** महिलाओं ने हाथ के बुने उत्पादों का उपादन कर आजीविका के रूप में **₹ 14,51,390 (चौदह लाख इक्यावन हज़ार तीने सौ नब्बे)** अतिरिक्त आय अर्जित की। उत्पाद की गुणवत्ता परखने के लिए समूह का नेतृत्व करने वाली महिलाओं ने अपने समूहों के उत्पादन के आधार पर **₹ 98,920 (अठानबे हज़ार नौ सौ बीस)** की आय अर्जित की, साथ ही वित्तीय वर्ष में **₹ 1,37,000 (एक लाख सैंतीस हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया, जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को अपनी वार्षिक आय का **9 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश पाने का मौका मिला। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भता आई है। संचित रूप से नैट बिक्री का **28 प्रतिशत** बुनाई करने वाली महिलाओं ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

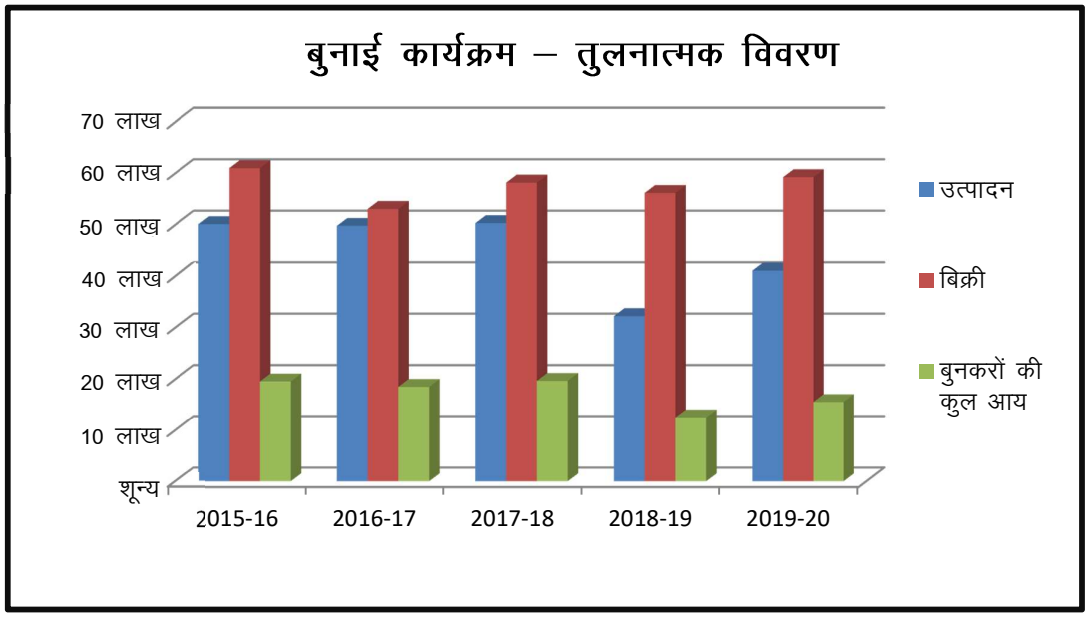

वर्ष 2017–18 के दौरान बुनकरों को आजिविका के नये अवसर प्रदान करने के लिए ताना–बाना के माध्यम से **10** बुनकरों को प्रशिक्षण देकर उनके साथ कुछ नये उत्पादों को बनाने की शुरूआत की गयी थी। इसके अंतर्गत वर्ष 2019–20 में कुल **512** पीस बुने गये जिनका उत्पादन मूल्य **₹ 2,71,743 (दो लाख इकहत्तर हज़ार सात सौ तेंतालीस)** रहा। जिससे इन बुनकरों ने **₹ 1,02,815 (एक लाख दो हज़ार आठ सौ पंद्रह)** की आय अर्जित की। इन उत्पादों की कुल बिक्री **₹ 2,31,371 (दो लाख इकत्तीस हज़ार तीन सौ इकहत्तर)** हुई।

बुनाई कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल सदस्य	कुल समूह	कुल उत्पादन (पीस)	उत्पाद से आय ₹	लीडर आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	गगास अन्य	4	80	6	1,858	4,30,210	34,590	40,658	5,05,458
2	कुजगढ़	6	88	8	2,181	3,61,390	29,089	34,154	4,24,633
3	दुसाद	6	110	19	760	2,43,510	–	22,851	2,66,361
4	सोमेश्वर	6	55	6	496	1,71,655	15,372	16,222	2,03,249
5	पनाई	2	25	7	859	92,815	7,176	8,770	1,08,761
6	कोसी	3	47	3	609	86,600	7,166	8,186	1,01,952
7	कनाड़ी	6	29	9	396	57,020	4,855	5,387	67,262
8	माल्यागाड़	1	11	4	74	8,190	672	772	9,634
	कुल	**34**	**445**	**62**	**7,233**	**14,51,390**	**98,920**	**1,37,000**	**16,87,310**

बुनाई उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर

विवरण	श्रेणी	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
	प्रथम	जन्नत समूह (चौबटिया)	कुजगढ	36,270	3,428	39,698	4	9,925
शहरी क्षेत्र	द्वितीय	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	1,30,615	12,344	1,42,959	16	8,935
	तृतीय	एकता समूह (मजखाली)	गगास अन्य	82,540	7,801	90,341	13	6,949
	प्रथम	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	62,115	5,869	67,984	9	7,554
ग्रामीण क्षेत्र	द्वितीय	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	96,780	9,146	1,05,926	17	6,231
	तृतीय	प्रगति समूह (उभ्याड़ी)	दुसाद	80,520	7,610	88,130	22	4,006

प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य – शहरी क्षेत्र								
क्रम	महिला का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	गधेरे का नाम	कुल मात्रा पीस	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
प्रथम	माया खर्कवाल	77	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	53	20,500	1,937	22,437
द्वितीय	शबनम ख़ान	785	एकता समूह (मजखाली)	गगास अन्य	75	18,010	1,702	19,712
तृतीय	भावना सती	24	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	169	17,820	1,684	19,504
चतुर्थ	ममता मलवाल	109	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	38	14,990	1,417	16,407
पंचम्	शोभा नयाल	2297	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	36	14,215	1,343	15,558
प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य – ग्रामीण क्षेत्र								
प्रथम	हेमा पन्त	2326	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	60	13,530	1,279	14,809
द्वितीय	लता पंत	2325	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	55	12,800	1,210	14,010
तृतीय	इंद्रा कबडवाल	747	प्रगति समूह (उभ्याड़ी)	दुसाद	45	9,880	934	10,814
चतुर्थ	सुनीता अधिकारी	2966	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	88	9,255	875	10,130
पंचम्	गीता देवी	298	कल्पना समूह (देवीढुंगा)	कुजगढ	55	8,190	774	8,964

बुनाई कार्यक्रम में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से समीक्षा वर्ष 2019–20 में बुनाई कार्यक्रम में भाग लेने वाली 445 महिलाओं में विशेष स्थान प्राप्त करने वाली बुनकर सदस्याओं को समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

2. संरक्षित खाद्य कार्यक्रम :

कुमाँऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एवं बाग़वानी है, इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से काश्तकारों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु उमंग को भारत सरकार द्वारा नियंत्रित **एफ0 एस0 एस0 ए0** (फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड ऑथोरिटी) का लायसेन्स भी प्राप्त है। उमंग कुमाँऊनी ब्रांड के नाम से बाजार में निम्नलिखित उत्पादों के विक्रय से काश्तकारों की आर्थिक स्थिति को सदृढ़ बनाने में कार्यरत है।

फल संरक्षण कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर **22** महिला स्वयं सहायता समूहों के **131** किसान परिवारों से **₹ 4,29,211 (चार लाख उन्तीस हज़ार दो सौ ग्यारह)** के उत्पादों का क्रय कर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्पादकों को उचित मूल्य प्रदान किया गया। इसके साथ–साथ वित्तीय वर्ष में **₹ 70,000 (सत्तर हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपनी वार्षिक आय का **16 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का **16** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

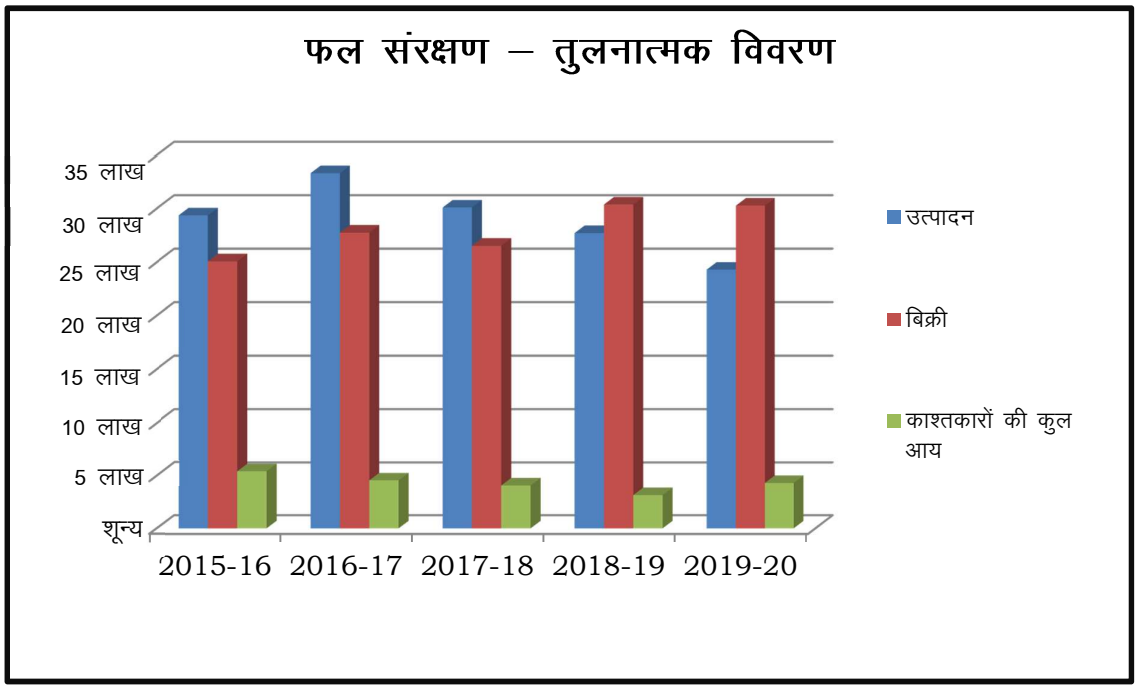

फल संरक्षण कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका									
क्रम संख्या	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	हैडवाटर्स	3	6	43	36	4,155	1,65,592	32,799	1,98,391
2	कोसी	5	4	35	33	3,411	1,10,321	21,841	1,32,162
3	अन्य	5	0	6	0	1,147	50,977	–	50,977
4	पनाई	2	5	22	17	823	17,925	3,172	21,097
5	कुजगढ़	2	1	7	5	535	13,782	2,633	16,415
6	गगास अन्य	1	3	8	3	289	8,084	1,045	9,129
7	माल्यागाड़	3	3	4	2	232	6,339	1,276	7,615
कुल (उत्तराखण्ड)		**21**	**22**	**125**	**96**	**10,592**	**3,73,018**	**62,766**	**4,35,784**
8	हिमाचल	2	0	6	4	865	56,193	7,234	**63,427**
कुल		**23**	**22**	**131**	**100**	**11,457**	**4,29,211**	**70,000**	**4,99,211**

फल संरक्षण उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर							
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	दुर्गा समूह (दुधोली)	हैडवाटर्स	28,445	5,799	34,244	4	8,561
द्वितीय	ज्योति समूह (कूल)	कोसी	60,760	12,385	73,145	10	7,315
तृतीय	सिद्धि विनायक (रतखाल)	हैडवाटर्स	87,790	17,790	1,05,580	16	6,599

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ फल उत्पादक सदस्य								
क्रम सं.	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	हैडवाटर्स	गंगा देवी	276	सिद्धि विनायक (रतखाल)	300	15,000	3,058	18,058
2	कोसी	दीपा देवी	2617	ज्योती समूह (कूल)	407	14,228	2,900	17,128
3	माल्यागाड़	देवकी देवी	66	उज्जवल समूह (लिल्लाड़ी)	198	5,940	1,211	7,151
4	कुजगढ़	जनकी बेलवाल	2764	(भड़गाँव)	154	4,298	876	5,174
5	पनाई	अन्जना कुमारी	415	हरियाली समूह (कालिका)	43	3,580	730	4,310
6	गगास अन्य	पुष्पा अधिकारी	536	वन्दना समूह (मजखाली)	134	3,503	714	4,217

फल उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2019–20 में फल उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाले 131 सदस्यों में विशेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

फल उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	मूल्य ₹	प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर
1	लहसुन	2,318	1,15,890	27 %
2	खुमानी	2,869	96,001	22 %
3	स्ट्रॉबैरी	1,057	81,166	19 %
4	प्लम्	1,621	48,246	11 %
5	आम	1,047	28,014	7 %
6	माल्टा	1,154	19,162	4 %
7	काग़ज़ी नींबू	248	10,660	2 %
8	अमरुद	250	7,000	2 %
9	कीवी	59	5,850	1 %
10	हरी मिर्च	172	5,488	1 %
11	टमाटर	209	3,762	1 %
12	अदरख	43	3,580	1 %
13	बड़ा नींबू	336	3,355	1 %

3. हिमखाद्य कार्यक्रम :

अधिक से अधिक काश्तकारों को आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उमंग द्वारा अतिरिक्त फसलों के क्रय – विक्रय के कार्यक्रम को प्रोत्साहन दिया गया। हमारा मुख्य उद्देश्य जहां एक ओर वर्षा आधारित लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों को बढ़ाना है वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्यों पर बाज़ार में जैविक खाद्य सामग्री को उपलब्ध कराना भी है। इन उत्पादों को उमंग, हिमखाद्य के नाम से बेचता है।

समीक्षा वर्ष के दौरान **62** स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से **450** किसानों ने अपने विभिन्न उत्पादों को विक्रय कर, **₹ 25,86,439 (पच्चीस लाख छियासी हज़ार चार सौ उन्चालीस)** की आय अर्जित की। बाजार भाव की प्राप्ति के साथ–साथ उपरोक्त किसानों को वित्तीय वर्ष में **₹ 93,000 (तेरानबे हज़ार)** बोनस के रूप में वितरित किया गया, जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपने वार्षिक आय का **4 प्रतिशत** अतिरिक्त लाभांश अर्जित करने का मौका मिला। संचित रूप से नैट बिक्री का **67** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

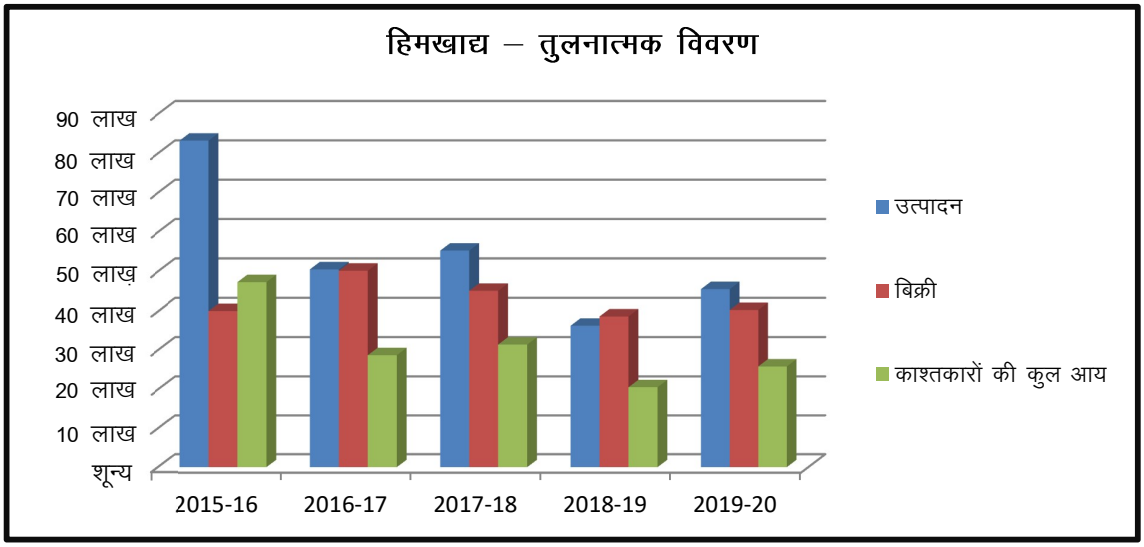

हिमखाद्य कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका									
क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	अन्य	15	–	23	–	10,900	7,39,171	–	7,39,171
2	दुसाद	7	20	135	105	3,746	4,07,896	36,525	4,44,421
3	कोसी	8	2	83	35	2,703	2,20,543	15,052	2,35,595
4	कनाड़ी	12	15	81	48	3,745	2,17,621	5,679	2,23,300
5	हैडवाटर्स	4	8	36	32	803	65,645	5,379	71,024
6	माल्यागाड़	4	8	51	37	3,237	1,15,787	4,165	1,19,952
7	पनाई	1	3	8	6	56	4,400	350	4,750
8	गगास अ.	2	2	5	1	99	8,304	22	8,326
9	सोमेश्वर	1	1	1	1	5	550	54	604
कुल (उत्तराखण्ड)		**54**	**59**	**423**	**265**	**25,294**	**17,79,917**	**67,226**	**18,47,143**
10	हिमाचल	18	3	27	9	4,375	8,06,522	25,774	8,32,296
कुल		**72**	**62**	**450**	**274**	**29,669**	**25,86,439**	**93,000**	**26,79,439**

उत्तराखण्ड के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर							
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	जय भूमिया समूह (मल्ला सतीनौगाँव)	दुसाद	80,102	7,787	87,889	13	6,761
द्वितीय	महिला उत्थान समूह (टनोला)	कनाड़ी	24,074	2,359	26,433	4	6,608
तृतीय	महिला आरती समूह (मल्ला सतीनौगाँव)	दुसाद	61,603	5,282	66,885	12	5,574

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – उत्तराखण्ड से								
क्रम	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
1	कोसी	पूजा बधानी	402	(खलाड़)	255	27,539	2,698	30,237
2	कनाड़ी	भावना बुधोड़ी	984	महिला उत्थान (टनोला)	338	23,159	2,269	25,428
3	दुसाद	दीपा नेगी	120	महिला आरती समूह (मल्ला सतीनौगाँव)	134	18,993	1,861	20,854
4	माल्यागाड़	जानकी देवी	2483	लक्ष्मी समूह (डिगोटी)	359	6,380	625	7,005
5	हैडवाटर्स	मुन्नी कार्की	2134	दुर्गा समूह (दुधोली)	71	5,984	586	6,570
6	पनाई	कमला देवी	377	जय मां काली समूह (कालिका)	13	1,150	113	1,263

हिमाचल के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर						
क्रम	समूह का नाम	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	खलोगेश्वर समूह	1,62,655	15,935	1,78,590	5	35,718
द्वितीय	चुड़ेश्वर समूह	88,020	8,623	96,643	3	32,214

प्रथम तीन श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – हिमाचल							
क्रम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹	बोनस से आय ₹	कुल आय ₹
प्रथम	शकुन्तला देवी	2932	खलोगेश्वर (तन्दुला)	345	63,733	6,244	69,977
द्वितीय	कान्ता देवी	3057	चुड़ेश्वर (चौरांस)	233	41,940	4,109	46,049
तृतीय	रेखा देवी	253	खलोगेश्वर (भलग)	203	37,463	3,670	41,133

हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में प्रत्येक गधेरे से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को उनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप समीक्षा वर्ष 2019–20 में हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में उत्तराखण्ड से भाग लेने वाले 450 सदस्यों में विशेष स्थान प्राप्त करने पर समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

हिमखाद्य उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	मूल्य ₹	प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर
1	चौलाई	15,893	8,93,204	35 %
2	अखरोट	3,950	7,25,965	28 %
3	कैमोमाइल	461	2,07,487	8 %
4	राजमा	1,711	2,04,848	8 %
5	तिल	1,154	1,49,984	6 %
6	काला भट्ट	1,524	88,478	3 %
7	लाल मिर्च	472	65,340	3 %
8	हल्दी	591	59,472	2 %
9	अनारदाना	82	49,470	2 %
10	गहत	260	38,750	1 %
11	मडुवा	1,390	24,063	1 %
12	झुंगरा	1,309	22,100	1 %
13	मूंग दाल	223	17,751	1 %
14	उगल	199	12,968	1 %
15	धनिया	105	12,398	0.48 %
16	तेजपात	86	5,166	0.20 %
17	कोणि चावल	81	3,645	0.14 %
18	मेथी	66	3,320	0.13 %
19	मक्का आटा	68	1,847	0.07 %
20	सोयाबीन	27	851	0.03 %

समीक्षा वर्ष के दौरान पारम्परिक फसलों के साथ–साथ बाज़ारी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगदी फसलों की बढ़ोतरी के प्रयास के चलते कैमोमाइल का उत्पादन जारी रहा, जिसका विवरण निम्न प्रकार है :

क्रम	वर्ष	गाँव	काश्तकार	उत्पादन (किग्रा0)	आय ₹	बिक्री ₹
1	2013–14	40	377	842	4,21,017	4,95,010
2	2014–15	29	213	547	1,90,388	7,75,323
3	2015–16	24	156	122	30,373	4,30,443
4	2016–17	17	109	165	57,328	3,95,789
5	2017–18	24	178	299	1,19,119	5,51,380
6	2018–19	19	150	395	1,77,749	3,43,033
7	2019.20	13	118	461	2,07,487	3,60,655

जैविक सहभागी प्रमाणीकरण प्रक्रिया

उत्तराखण्ड के अधिकांश भागों में खेती पारम्परिक रुप से जैविक रही है। उमंग अपनी पर्यावरणीय सुरक्षा के प्रति वचनबद्धता, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण एवं पर्वतीय खेती की सत्ता को ध्यान में रखते हुए अपने काश्तकार उत्पादक सदस्यों के बीच जैविक सहभागी प्रमाणीकरण (पी0जी0एस0) योजना को प्रोत्साहन दे रही है। इस योजना के अंतर्गत निम्न क्षेत्रों के काश्तकारों ने अपनी ज़मीन पर सजीव खेती करने की प्रतिज्ञा ली। समीक्षा वर्ष के दौरान इन सभी काश्तकारों ने जैविक खेती की प्रक्रिया को जारी रखा।

क्र.सं.	गधेरा	गाँव	स्वयं सहायता समूह	काश्तकार	भूमि (एकड़)
1	दुसाद	15	44	506	353
2	हैडवाटर्स	4	10	126	75
3	कनाड़ी	11	15	156	69
4	कोसी	1	1	21	13
5	माल्यागाड	7	18	204	70
कुल		**38**	**88**	**1,013**	**580**

4. मौन पालन कार्यक्रम :

समीक्षा वर्ष में मौन पालकों से **₹ 7,34,540 (सात लाख, चौंतीस हज़ार, पांच सौ चालीस)** के शहद का क्रय किया गया। जो मौन पालन कार्यक्रम से होने वाली कुल बिक्री का **47** प्रतिशत है। इस वर्ष शहद की कुल बिक्री **₹ 15,53,869 (पन्द्रह लाख त्रेपन हज़ार आठ सौ उन्हत्तर)** हुई।

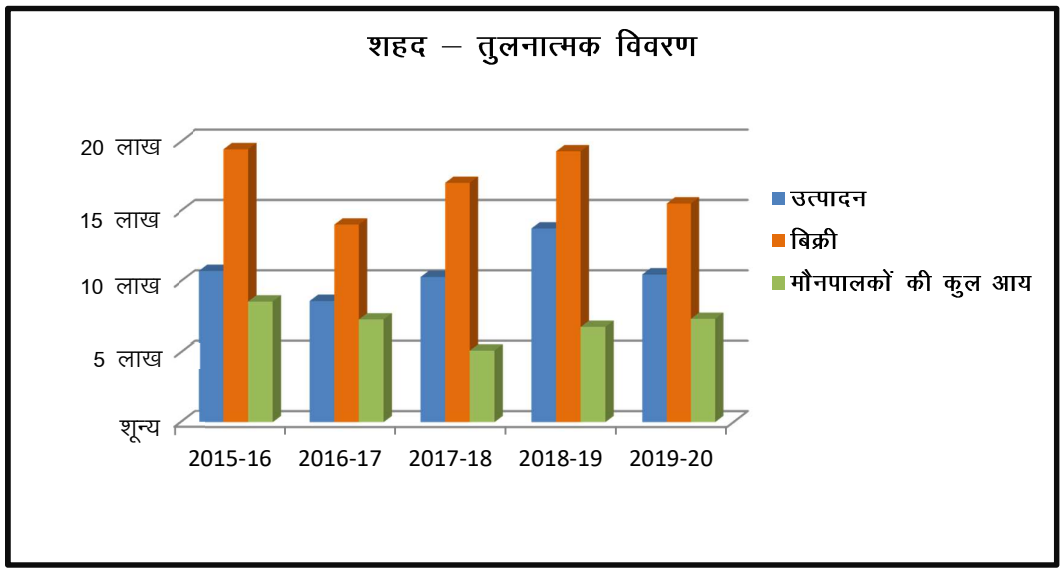

6. बांस कला कार्यक्रम : उमंग की 4 व्यावसायिक इकाईयों के अलावा वर्ष **2015–16** में लोगों की आजीविका बढ़ाने हेतु ग्रासरूट्स की सहायता से बांस उत्पादन को बढ़ावा देते हुए बांस से बने उत्पादों को बाजार में उतारने के प्रयास किये गय थे, जिसकी पहचान उमंग की पांचवी व्यावसायिक इकाई के रूप में करवाई गयी। बांस के उत्पादों की कुल नैट बिक्री **₹ 17,726** हुई।

7. घरेलू पर्यटन :

उमंग द्वारा ग्रासरूट्स के गठबंधन में आय बढ़ाने हेतु घरेलू पर्यटन को पिछले नौ वर्षों से प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रुप से विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी ग्रामीण परिवारों के साथ रहकर ग्रामीण परिवेश की वास्तविकता से परिचित होते हैं। उमंग द्वारा इस कार्यक्रम को **2 गाँवों** के **12 परिवारों** में चलाया गया, जिससे उक्त परिवारों ने **₹ 1,25,000 (एक लाख पच्चीस हजार)** तक की वार्षिक अतिरिक्त आय अर्जित की।

8. मुर्गी पालन :

वर्ष 2019–20 के दौरान 15 परिवारों में 1000 मुर्गी के बच्चों का वितरण किया गया।

विभिन्न राज्यों में उमंग उत्पादों की उपलब्धता

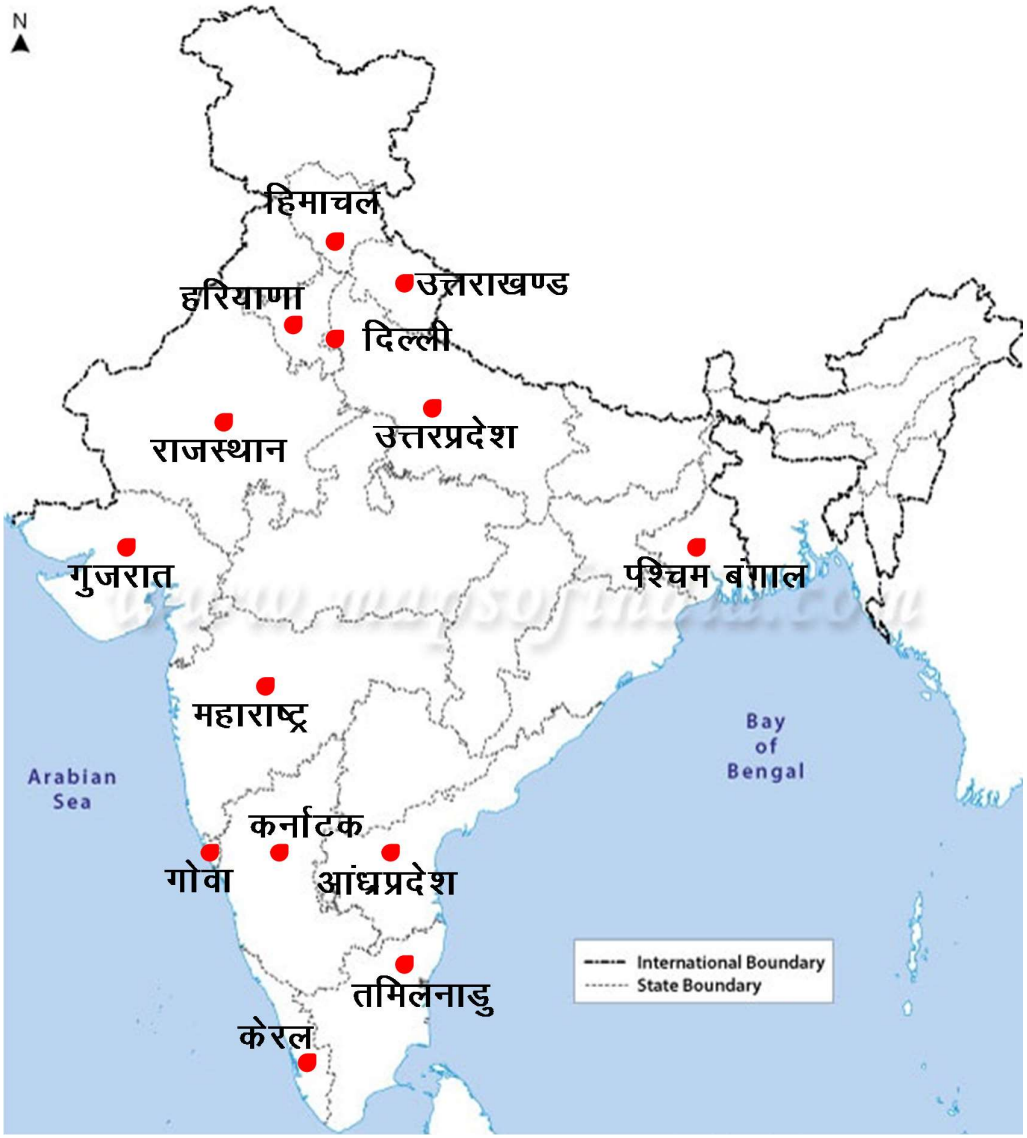

कुल यौगिक कार्यक्रम : प्रतिभागी विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल प्रतिभागी	एस.एच.जी.		कुल उमंग अंश धारक		उमंग उत्पादक				
				प्रतिभागी एस.एच.जी.	प्रतिभागी एस.एच.जी सदस्य	अंश धारक एस.एच.जी.	अंश धारक सदस्य	हिमखाद्य उत्पादक	फल उत्पादक	बुनकर	मौन पालक	एक से अधिक कार्यक्रम में जुड़े सदस्य
1	दुसाद	7	175	20	160	20	144	135	—	110	—	70
2	गगास अन्य	4	90	7	84	7	81	5	8	80	—	3
3	हैडवाटर्स	4	54	9	48	8	45	36	43	—	—	25
4	कनाड़ी	13	91	17	76	14	58	81	0	29	—	19
5	कोसी	13	142	6	89	6	92	83	35	47	—	23
6	कुजगढ़	6	94	8	88	8	92	0	7	88	—	1
7	माल्यागाड़	4	57	9	53	9	43	51	4	11	—	9
8	अन्य	22	33	1	1	1	1	23	6	—	4	—
9	पनाई	2	38	7	34	7	33	8	22	25	—	17
11	सोमेश्वर	6	55	6	55	6	55	1	—	55	—	1
कुल (उत्तराखण्ड)		**81**	**829**	**90**	**688**	**86**	**644**	**423**	**125**	**445**	**4**	**168**
12	हिमाचल	20	33	3	9	3	13	27	6	—	—	—
कुल		**101**	**862**	**93**	**697**	**89**	**657**	**450**	**131**	**445**	**4**	**168**

कुल यौगिक कार्यक्रम : कुल आय विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	हिमखाद्य उत्पादकों की आय	हिमखाद्य उत्पादकों का बोनस	फल उत्पादकों की आय	फल उत्पादकों का बोनस	बुनकरों की आय	बुनकरों का बोनस	बुनकर लीडरों की आय	मौन पालकों की आय	कुल यौगिक आय	कुल यौगिक बोनस	कुल यौगिक आय + बोनस
1	अन्य	7,39,171		50,977					7,34,540	15,24,688	.	15,24,688
2	हिमाचल	8,06,522	25,774	56,193	7,234					8,62,715	33,008	8,95,723
3	दुसाद	4,07,896	36,525			2,43,510	22,851			6,51,406	59,376	7,10,782
4	गगास अन्य	8,304	22	8,084	1,045	4,30,210	40,658	34,590		4,81,188	41,725	5,22,913
5	कोसी	2,20,543	15,052	1,10,321	21,841	86,600	8,186	7,166		4,24,629	45,079	4,69,708
6	कुजगढ़			13,782	2,633	3,61,390	34,154	29,089		4,04,261	36,787	4,41,048
7	कनाड़ी	2,17,621	5,679			57,020	5,387	4,855		2,79,496	11,066	2,90,562
8	हैडवाटर्स	65,645	5,379	1,65,592	32,799					2,31,236	38,178	2,69,414
9	सोमेश्वर	550	54			1,71,655	16,222	15,372		1,87,577	16,276	2,03,853
10	माल्यागाड़	1,15,787	4,165	6,339	1,276	8,190	772	672		1,30,988	6,213	1,37,201
11	पनाई	4,400	350	17,925	3,172	92,815	8,770	7,176		1,22,317	12,292	1,34,609
कुल अर्जित राशि		**25,86,439**	**93,000**	**4,29,211**	**70,000**	**14,51,390**	**1,37,000**	**98,920**	**7,34,540**	**53,00,500**	**3,00,000**	**56,00,500**

यौगिक आंकलन से पता चलता है कि समीक्षा वर्ष के दौरान संचित रूप से नैट बिक्री का 39 प्रतिशत रुपया सीधे तौर पर उमंग से जुड़े काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

सारांश

उमंग के उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन स्थानीय **16** निपुण कार्यकर्ताओं द्वारा निदेशक मण्डल के मार्गदर्शन में किया गया इसके लिए उनके द्वारा **₹ 22,35,984 (बाईस लाख पैंतीस हज़ार नौ सौ चौरासी)** की आय अर्जित की गयी जो कि संस्था के कुल व्यवसाय का **14** प्रतिशत है। फल संरक्षण एवं हिमखाद्य के उत्पादों के उत्पादन के लिए स्थानीय बेरोजगार महिलाओं की एक टीम को **1,980 (एक हज़ार नौ सौ अस्सी)** मानवदिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिससे उन्होंने **₹ 3,48,530 (तीन लाख अड़तालीस हज़ार पांच सौ तीस)** की आय अर्जित की।

संक्षिप्त रूप में समीक्षा वर्ष के दौरान उद्यमता के विकास में उमंग एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने में सक्षम रही एवं परिणाम स्वरूप क्षेत्र के 862 (आठ सौ बासठ) परिवारों ने ₹ 83,10,014 (तेरासी लाख दस हज़ार चौदह) की निरन्तर पूरक आय अर्जित कर (प्रति सदस्य ₹ 9,640) कुमाँऊ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दिया।

आभार

महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी की वार्षिक पत्रिका का समापन करते हुये हम अपने सभी ग्राहकों, मित्रों एवं शुभचिन्तकों, वित्तीय संस्थाओं, सरकारी एवं संस्थागत सहयोगियों, फल एवं खाद्य संरक्षण अधिकारियों, हमारे द्वारा उत्पादित सामान के सभी विक्रेता, समस्त उत्पादक महिलाओं एवं काश्तकारों का आभार प्रकट करते हैं।

निदेशक मण्डल

श्रीमती इन्द्रा रावत
मालरोड, रानीखेत
कार्यकारी निदेशिका

श्रीमती मंजू देवी,
मुझोली, माल्यागाड
अध्यक्ष

श्रीमती उमा देवी,
बगथल, माल्यागाड़

श्रीमती इन्द्रा कबडवाल,
उभ्याड़ी, दुसाद

श्रीमती गीता मेहता
मजखाली, रानीखेत

श्रीमती नीमा बिष्ट
डौड़ाखाल, कनाड़ी

श्रीमती ईश्वरी रावत
सुरना, हैडवाटर्स

उमंग गीत

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

यह उमंग है आप सभी का मिलकर इसे संवारेंगे,

हक़ अपना मिल सके सभी को इसके लि, विचारेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जंगल, पानी और लकड़ी का रिश्ता बहुत पुराना है,

पेड़ों को कटने नहीं देंगे हमने मन में ठाना है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जो बहनें हैं ग़म की मारी, बेबस हैं, मजबूर हैं,

उनके लि, उमंग का नाम अंधेरे में नूर है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

आओ मिलकर अपने मन में यह विश्वास जगायेंगे,

,क दूजे का बनें सहारा मिलकर क़सम उठायेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

बुलंद उत्तराखण्ड की बुलंद तस्वीर,

हमारा आज हमारा उमंग, हमारा कल हमारा उमंग,

हमारा उमंग, हमारा उमंग, हमारा उमंग।।